प्रेषक.

डा. मेहरबान सिंह बिष्ट, अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, रेशम विकास विभाग प्रेमनगर—देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभागः-2

देहरादूनः दिनांकः फरवरी,2018

विषय:-वित्तीय वर्ष 2017-18 में केन्द्रपोषित कैटेलिटिक योजना के अन्तर्गत राज्यांश अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय.

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्याः 1542 / रेशम / तक.अनु. / बजट / 2017—18, दिनांकः 11जनवरी 2018 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। तत्क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रेशम विकास विभागान्तर्गत आय—व्ययक में अनुदान संख्या—31 में केन्द्रपोषित कैटेलिटिक योजना में प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष ₹24.37लाख(रूपये चौबीस लाख सैतीस हजार मात्र) की धनराशि वेब आधारित प्रणाली के माध्यम से व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2— धनराशि का व्यय उसी निमित किया जायेगा जिस हेतु स्वीकृति प्रदान की जा रही है। यह स्वीकृति शासनादेश संख्या—657/xvi-2/17/7(04)/2017,दिनांक:11.08.2017 में उल्लिखित शर्ती एवं प्रतिबन्धों के अधीन जारी की जा रही है।
- 3— व्यय करते समय केन्द्रीय रेशम बोर्ड के पत्रांक:CSB/RO(ND)/14(24)/Oak project /2017-18/tech. दिनांक: 20.10.2017 में दिये गये दिशा—निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा योजनान्तर्गत लागू फण्डिंग पैटर्न की सीमान्तर्गत ही राज्यांश व्यय किया जायेगा।
- 4— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017—18 में अनुदान संख्या—31 कें मुख्य लेखाशीर्षक 2401 फसल कृषि कर्म, 119—बागवानी एवं सब्जियों की फसलें, 796—जनजाति क्षेत्र योजना, 12—केन्द्रपोषित कैटेलिटिक योजना के मानक मद 20—सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद के नामे डाला जायेगा।

5— यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या—174/XXVII(4)/2017, दिनांक—14 फरवरी 2018 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा. मेहरबान सिंह बिष्ट) अपर सचिव

संख्या- 10% (1)/xvi-2/18/7(04)/2017,तददिनांक ।

प्रतिलिपि:--निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् प्रेषित:-

1-महालेखाकार,उत्तराखण्ड।

2-समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।

3-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड

4-राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादन।

5-वित्त अनुभाग-4,उत्तराखण्ड शासन।

6-गार्ड फाईल।

आज्ञा से, प्रीपक्रिक (विकास कुमार श्रीवास्तव) अनु सचिव